Delhi Public School, Howrah

P.T-1 EXAMINATION (2024-2025)

CLASS- XI

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - सं. (302)

अवधिः 3 घंटे **पूर्णांक = 80**

सामान्य निर्देश -

(1) इस प्रश्न पत्र में तीन खंड है- खंड क, ख और ग ।

(2) खंड- (क) में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

(3) खंड- (ख) में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

(4) खंड- (ग) में आरोह भाग -1 एंव वितान भाग -1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

खंड- 'क' अपठित बोध 18 **अंक**

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 10

साहित्यकार एक सामाजिक प्राणी है। वह अपने आस-पास की परिस्थितियों और घटनाओं से प्रभावित होने के साथ-साथ उन्हें प्रभावित भी करता है। वह समाज की भावनाओं को अभिव्यक्ति तो प्रदान करता ही है, साथ ही उसके द्वारा अभिव्यक्त भावनाएँ समाज को भी प्रभावित करती हैं। अतः साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध है। वह समाज में मुख और मस्तिष्क दोनों का कार्य करता है। प्रसिद्ध पाश्चात्य विचारक और कवि मैथ्यू आर्नल्ड ने साहित्य को जीवन और समाज का दर्पण कहा है। साहित्य को समाज का दर्पण इसलिए कहा गया है कि उसके माध्यम से हम युग-विशेष की समस्याओं, परिस्थितियों तथा भावनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति है। साहित्य में हम जातीय भावों का प्रतिबिंब देख सकते हैं। प्रत्येक जाति के साहित्य का एक व्यक्तित्व होता है। इतना ही नहीं, एक जाति के साहित्य में उसके विकास के अनुकूल समय-समय पर अंतर पड़ता रहता है। हिंदी साहित्य का इतिहास इसी तथ्य की पुष्टि करता है। जिस प्रकार साहित्य पर सामाजिक भावों तथा विचारों का प्रभाव पड़ता है, उसी प्रकार साहित्य का प्रभाव भी समाज पर देखा जा सकता है। साहित्यकार सामाजिक बुराइयों तथा रूढ़ियों आदि पर तीखा प्रहार करके समाज को नई दिशा प्रदान करता है। संत-कवियों की वाणी ने जिस प्रकार तत्कालीन समाज में फैली रूढ़ियों और आडंबरों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, उससे यह बात सिद्ध हो जाती है।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **1X3=3**

(i) साहित्यकार समाज को कैसे प्रभावित करता है?

(क) भाषण देकर (ख) संसद में पहुँचकर

(ग) लेखन द्वारा (घ) कवि-सम्मेलनों द्वारा

(ii) साहित्य और समाज का संबंध इसलिए है, क्योंकि-

(क) दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं (ख) दोनों ही भावना-प्रधान होते हैं

(ग) दोनों ही कर्मरत रहते हैं (घ) दोनों ही विचारप्रधान होते हैं

(iii) संत-कवियों के बारे में क्या सच है?

(क) सामाज से प्रभाव ग्रहण करना (ख) समाज को नई दिशा देना

(ग) समाज को प्रगतिशील बनाना (घ) समाज की रूढ़ियों को बढ़ावा देना

सोपान II. अति लघूत्तरात्मक प्रश्न- **1X1=1**

(iv) साहित्यकार समाज में किसका कार्य करता है?

सोपान III. लघूत्तरात्मक प्रश्न- **2X3=6**

(v) साहित्य को जीवन और समाज का दर्पण क्यों कहा गया है?

(vi) साहित्यकार किस पर तीखा प्रहार करता है? इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(vii) हिंदी साहित्य का इतिहास किस तथ्य की पुष्टि करता है?

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- **8**

जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून-पसीनों से,
हार गई दुश्मन की गोली
वज्र सरीखे सीनों से।
जब-जब उठी तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।

जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया,
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँसकर
कालकूट का पान किया।
जब-जब तुमने क़दम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।

उस धरती को टुकड़े-टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन,
बड़े गौर से अजब तुम्हारी
चुप्पी थाह रहे दुश्मन ।
जाति-पाँति वर्गों-फ़िरकों के, वह फैलाता जाल है।

कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगीं तुम्हारी ओर हैं,
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको, जो पहने कपटी खाल है।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- **1X3=3**

(i) 'धरती को खून-पसीने से सींचने' का अभिप्राय है-
(क) देश के खेतों को जल से सींचना
(ख) देश के लिए कठिन से कठिन परिश्रम करना
(ग) देश की सुरक्षा के लिए रात-दिन सावधान रहना
(घ) देश की रक्षा-हेतु शत्रु पर गोलियाँ चलाना

(ii) काल वश में हो सकता है, जब-
(क) दुश्मन गोलियाँ न चलाए (ख) हम रक्षा के लिए बाँहें उठाएँ
(ग) हम हँस-हँसकर कुर्बानी दें (घ) जाति-पाँति का भेद न रहे

(iii) 'हुई दिशाएँ लाल हैं' का तात्पर्य है-
(क) देश के कोने-कोने में क्रांति होना (ख) अन्याय का विरोध होना
(ग) रूढ़िवाद की समाप्ति होना (घ) जन-जागृति फैलाना

सोपान II. अति लघूत्तरात्मक प्रश्न- **1X1=1**

(iv) कौन धरती (देश) को टुकड़े-टुकड़े करना चाह रहे हैं?

सोपान III. लघूत्तरात्मक प्रश्न- **2X2=4**

(v) कवि किसे सावधान करने को कह रहा है और क्यों? 'जयचंदों' का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(vi) इस धरती के लिए यहाँ के लोगों ने क्या-क्या किया है तथा क्यों?

खंड- 'ख' अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर **22 अंक**

---

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक रचनात्मक लिखिए- 6

(क) जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान

संकेत बिंदु - • संतोष (संतुष्टि का भाव) का अर्थ एवं उसका महत्त्व • संतोष जैसा गुण व्यक्ति के लोभ, ईर्ष्या आदि बुराइयों को हटाने में सहायक • असंतोष से उत्पन्न सभी समस्याओं का समाधान

(ख) राजभाषा हिंदी

संकेत बिंदु - भूमिका, हिंदी राजकाज की भाषा, दक्षिण भारत द्वारा विरोध, अंग्रेज़ी भाषा को अधिक महत्त्व, राष्ट्र भाषा राष्ट्र के सम्मान की प्रतीक, हिंदी भाषा की उन्नति हेतु प्रयास हमारा पुनीत कर्तव्य, निष्कर्ष ।

(ग) सर्वशिक्षा अभियान

संकेत बिंदु - भूमिका, साक्षरता की आवश्यकता, शिक्षा से व्यक्तित्व का विकास, साक्षरता से देश का विकास, सर्वशिक्षा अभियान, प्रौढ़-शिक्षा, राज्य सरकार द्वारा प्रयास जारी, निष्कर्ष ।

4. पुस्तकालय में हिंदी के प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें मँगवाने के लिए प्राचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए । 5

अथवा

सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण बढ़ते संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X4=8

(i) संचार के किन्हीं दो कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'संचार जीवन की निशानी है'- स्पष्ट कीजिए।

(iii) आपसी व्यवहार या जानकारी को समाचार क्यों नहीं माना जाता है?

(iv) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है?

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 1X3=3**

(i) निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए-

(क) फोटो पत्रकारिता (ख) कार्टून कोना (ग) रेखांकन और कार्टोग्राफ

खंड- 'ग'आरोह भाग -1 एंव वितान भाग -1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर 40 अंक

---

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

हम तौ एक-एक करि जांनां।
दोइ कहैं तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां ।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।
एकै खाक गढ़े सब भांड़ै एकै कोहरा सांनां ।।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनी न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांनां ।।

(i) कबीर जी ने क्या जान लिया है?

(क) ईश्वर अनेक है (ख) ईश्वर एक है

(ग) गुरु ही ईश्वर है (घ) ईश्वर ही गुरु है

(ii) कबीर जी के अनुसार, ईश्वर के मर्म को कौन नहीं जानता?

(क) जो गुरु को पर-ब्रह्म नहीं मानते

(ख) जो गुरु की माया को नहीं जानते

(ग) जो आत्मा-परमात्मा, जीव-ब्रह्म आदि को अलग-अलग मानते हैं

(घ) जो आत्मा-परमात्मा को एक मानते हैं

(iii) कबीर जी के अनुसार, ईश्वर ने मनुष्य का निर्माण कैसे किया है?

(क) एक जैसे तत्त्वों से

(ख) भिन्न-भिन्न तत्त्वों से

(ग) अपने भिन्न-भिन्न स्वरूप से

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) कबीर जी के अनुसार, निर्भय व्यक्ति कौन हैं?

(क) जो ईश्वर के भय से मुक्त है

(ख) जो मुक्त रूप से विषय-वासनाओं में लिप्त है

(ग) जो सांसारिक आकर्षणों के भ्रम से मुक्त है

(घ) जो गृहस्थ जीवन बिना भय के बिताते हैं

(v) अलंकार की दृष्टि से कौन-सा विकल्प सही है?

(क) हम तौ एक-एक करि जांनां - रूपक अलंकार

(ख) एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां - उपमा अलंकार

(ग) एकै खाक गुढ़े सब भांड़ै एकै कोहरा सांनां - विशेषोक्ति अलंकार

(घ) जैसे बाढ़ी काष्ठ ही काटै आगिनी न काटै कोई - उदाहरण अलंकार

8. **काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 3X2=6**

(क)जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै, अगिनी न काटै कोई
सब घटि अंतरि तँही व्यापक धरै सरूपै सोई।

इसके आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है?

(ख)मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती हैं? वह रूप कैसा है?

(ग) लोक-लाज खोने का अभिप्राय क्या है?

9. काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क)कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

(ख)मीरा जगत् को देखकर रोती क्यों हैं?

(ग) मीरा ने किसे आनंद फल कहा है और इसकी प्राप्ति कैसे हुई?

10. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

जब नमक का नया विभाग बना और ईश्वर प्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया तो लोग चोरी-छिपे इसका व्यापार करने लगे। अनेक प्रकार के छल-प्रपंचों का सूत्रपात हुआ, कोई घूस

से काम निकालता था, तो कोई चालाकी से। अधिकारियों के पौ-बारह थे। पटवारीगिरी का सर्व सम्मानित पद छोड़-छोड़कर लोग इस विभाग की बरकंदाजी करते थे। इसके दारोगा पद के लिए तो वकीलों का भी जी ललचाता था। यह वह समय था, जब अंग्रेज़ी शिक्षा और ईसाई मत को लोग एक ही वस्तु समझते थे। फ़ारसी का प्राबल्य था। प्रेम की कथाएँ और श्रृंगार रस के काव्य पढ़कर फारसीदां लोग सर्वोच्च पदों पर नियुक्त हो जाया करते थे।

(i) गद्यांश के अनुसार, ईश्वर प्रदत्त वस्तु क्या है?

(क) धन-दौलत
(ख) प्रेम की कथाएँ
(ग) नमक
(घ) मनुष्य की चतुराई

(ii) जब नमक का नया विभाग बना, तो क्या हुआ?

(क) नमक का निर्माण करना बंद हो गया
(ख) लोग चोरी-छिपे नमक का व्यापार करने लगे
(ग) उपरोक्त में से कोई नहीं
(घ) (क) और (ख) दोनों

(iii) अनेक प्रकार के छल-प्रपंचों का सूत्रपात कब हुआ?

(क) नमक का नया विभाग बनने से
(ख) नमक को खरीदने से
(ग) वकालत का नया कानून बनने से
(घ) अंग्रेजी प्रशासन से

(iv) सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

सूची I	सूची II
A घूस से काम लेना	1 सभी ओर से लाभ होना
B पौ बारह होना	2 चौकीदारी करना
C बरकंदाजी करना	3 रिश्वत लेना

कूट

	A	B	C
(क)	3	2	1
(ख)	3	1	2
(ग)	2	1	3
(घ)	1	2	3

(v) 'कगारे पर का वृक्ष' से क्या तात्पर्य है?

(क) आयु अधिक हो जाना
(ख) मृत्यु के नजदीक होना
(ग) (क) और (ख) दोनों
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

11. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 3X2=6

(क)'नमक का दारोगा' कहानी के आधार पर वर्तमान समाज के सामाजिक यथार्थ के बारे में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(ख)मियाँ नसीरुद्दीन के चेहरे पर किसी दबे हुए अंधड़ के आसार देखकर यह मज़मून न छेड़ने का फैसला किया- इसके पहले और बाद के प्रसंग का उल्लेख करते हुए इसे स्पष्ट कीजिए।

(ग)'कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि उस काम को करने की भावना श्रेष्ठ होनी चाहिए' पंक्ति को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क)'नमक का दारोगा' कहानी के आधार पर पंडित अलोपीदीन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख)बादशाह के नाम का प्रसंग आते ही लेखिका की बातों में मियाँ नसीरुद्दीन की दिलचस्पी क्यों कम होने लगी?

(ग) मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने अपने खानदानी व्यवसाय को अपनाया। वर्तमान समय में प्रायः लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं, ऐसा क्यों?

13. वितान के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए- 5X2=10

(क)'लता ने करुण रस के गानों के साथ न्याय नहीं किया है, जबकि श्रृंगारपरक गाने वे बड़ी उत्कटता से गाती हैं' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ख)'चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए'- अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।

(ग) 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर' पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

--------------------X----------------------